नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर (छ.ग.)

(अक्टूबर से दिसंबर 2016)

डा अजय तिर्की महापौर

प्रिय नगरवासियों ,

कोई भी संस्था के सफल संचालन में वहां के नगरवासियो का सहयोग आवश्यक होता है और नगर में चलने वाले प्रत्येक कार्यो की पारदर्शिता एंव सुगमता मेरी प्राथमिता रही है इसी तारत्मय में इस वेब साईट का निमार्ण कराया गया है मेरा नगर वासियो से अपील है कि नगर में चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत हो रहे शौचालयो का निर्माण अपने घरो में करा कर सहयोग प्रदान करें साथ ही आप सभी से अपील है कि समस्त करो का भुगतान समय पर करे, जल को व्यर्थ ना बहने दे, प्लास्टिक कैरी बैगो का इस्तेमाल ना करे एंव कचरो में निपटान में सहयोग कर नगर निगम को एक मजबूत निगम बनाने में सहयोग प्रदान करे । अतः में आप के सभी कार्यो को तत्परता सुगमता से करने के वादे के साथ,आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं आप स्वस्थ रहे निरोग रहे इसी आशा के साथ आपका।

डा अजय तिर्की महापौर

लव कुश सिंगरौल

आयुक्त

स्वच्छ भारत का सपना माननीय प्रधानमंत्री जी के सर्वोच्च कार्यो का प्रथम राष्ट्रीय सोपान है, और यह गर्व का विषय है कि छग के आदिवासी अंचल सरगुजा में अवस्थित नगर निगम अम्बिकापुर एवं अम्बिकापुर के सम्मानित नागरिकों ने इस सपने को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाई है, एवं उल्लेखनिय कार्य किया है, एस एल आर एम अम्बिकापुर माडल शत प्रतिशत डोर टु डोर संग्रहण एवं आजीविका मिशन का अनुपम उदाहरण है, इसी का परिणाम है कि इस श्रेष्ठ कार्य ने 3 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर इस अंचल को गौरवान्वित किया है, इस कार्य की कार्यस्थिती इस बात से ही प्रमाणित हो जाती है कि आज यह माडल छग के समस्त नगरीय निकायों के लिये मिशन क्लीन सिटी के रूप में प्रेरणा स्त्रोत बन चुका है, एवं पुष्पित एवं पल्लवित हो रहा है, इसके साथ ही अम्बिकापुर निगम खुले में शौच मुक्त नगर निगम का दर्जा प्राप्त कर अपने इस कार्य में सफलता का एक और पायदान कायम किया है

लव कुश सिंगरौल

स्वच्छता

मानव श्रृंखला बना छात्रों ने लिखा संदेश

न गंदगी करेंगे न ही करने देंगे

गांधी जंयती पर विशाल जन समूह द्वारा ली गई

आयोजन

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले किए गये सम्मानित
- दस हजार बच्चों की बनी मानव श्रृंखला

निगम वाटर पार्क के एक हिस्से को तीन साल के ठेके पर देगा

भास्कर संवाददाता | अंबिकापुर

नगर निगम मीना बाजार की तर्ज पर बच्चों के मनोरंजन के नाम पर वाटर पार्क के एक हिस्से को ठेके पर देने जा रहा है। ठेकेदार द्वारा डीजल और बिजली से चलने वाले झूले लगाए जाएंगे। तीन साल के लिए यह करार हो रहा है और इसके बदले में निगम को किराए के रूप में मात्र दस हजार रूपए हर महीने मिलेंगे। झूले का रेट क्या होगा, इस बारे में अभी कुछ भी खुलासा नहीं किया गया है। मामले में सवाल उठने पर मेयर इन कौंसिल ने अधिकारियों को ठेकेदार को बुलाकर पहले रेट फाइनल करने को कहा है। इसी तरह का निर्णय निगम के पिछले कार्यकाल में सरगुजा सदन और राजमोहनी भवन को ठेके पर देने का लिया गया था। जनसुविधा के नाम पर बने दोनों भवन ठेके पर हैं।

महापौर डा. अजय तिर्की की अध्यक्षता में गुरूवार को कौंसिल की बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया और सर्वसम्मति से इसे पास कर दिया गया। किसी पार्षद ने इस पर सवाल नहीं उठाए। बैठक से बाहर निकलने के बाद कुछ पार्षदों को आपस में चर्चा करते सुना गया कि यह गलत निर्णय है। ठेकेदार अपने हिसाब से किराया लेगा। सामान्य सभा में सत्तारूढ़ दल बहुमत में है और विरोध होता भी है तो वहां बहुमत के आधार पर इसका पास होना तय माना जा रहा है। इसी तरह का निर्णय पिछले कार्यकाल में विरोध के बावजूद शहर के दो बड़े सरकारी भवनों सरगुजा सदन और राजमोहनी भवन को देने का लिया गया था। इस मामले में पूछे जाने पर डिप्टी मेयर अजय अग्रवाल ने शेष पेज | 14 पर

किराए के रूप में निगम को हर महीने दस हजार रुपए मिलेंगे

मेयर इन कौंसिल की बैठक में शामिल महापौर और सदस्य।

वाटर पार्क में टॉय ट्रेन समेत कई झूले अब तक शुरू नहीं करा सके

वाटर पार्क में टॉय ट्रेन सहित झूले लगे हैं लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यही कारण है कि पार्क में अलग से झूले के लिए ठेके पर जगह दी जा रही है। करीब दस लाख रूपए की टॉय ट्रेन आजतक कभी ठीक से नहीं चली। चार साल ट्रेन शुरू होने में लग गए। पार्षदों के विरोध के बाद ट्रेन शुरू हुई तो एक महीने में ही इंजन बैठ गया। कर्मचारियों का कहना है कि 26 जनवरी को पार्क में भीड़ अधिक आई थी। क्षमता से अधिक लोग सवार हो गए जिससे इंजन बैठ गया।

एक तरफ शासन को प्रस्ताव दूसरी तरफ ठेके पर देने का निर्णय

निगम के दूसरे कार्यकाल में करीब 18 एकड़ में यह पार्क बना था और तब इस पर करोड़ों रूपए खर्च किए गए थे। मनोरंजन के हिसाब से फव्वारे के अलावा झूले और गुलाब गार्डन बनाए गए थे। कुछ महीने पूर्व ही पार्क के मेंटेनेंस और सुविधाओं के लिए करीब 25 लाख रूपए का प्रस्ताव पास कर शासन को भेजा गया। इसी बैठक में पार्क के लिए दस रूपए प्रवेश शुल्क कर दिया गया। आज मीना बाजार के लिए यहां ठेकेदार को घुसाने का निर्णय ले लिया गया।

चौक-चौराहों के पुराने नाम बदल नया नामकरण सहित, 17 एजेंडे पास

बैठक में शहर के चौक-चौराहों के अलावा गलियों के नामकरण का निर्णय लिया गया। कुछ चौराहों पर प्रतिमाएं लगा दी गई हैं लेकिन कई चौराहे अब भी पुराने नाम से जाने जा रहे हैं। ऐसे सभी चौराहों के अलावा प्रमुख गलियों का नामकरण किया जाएगा। इसके लिए सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। बैठक में सड़कों पर आवारा मवेशियों के जमावड़े पर रोक लगाने मवेशियों के पकड़े जाने के 24 घंटे के भीतर नीलाम करने, विद्युत विभाग सहित कर्मचारियों की कमी वाले विभागों में प्लेसमेंट कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने, पार्षद निधि की राशि को विद्युत कार्यों में खर्च पर रोक को शिथिल करने शासन को प्रस्ताव भेजने, बिजली की समस्या वाले वार्डों में खंभे और लाइट लगाने का निर्णय लिया गया।

नगर निगम अम्िबकापुर दवारा 20 सदस्यो का टीम बनाकर डोर टू डोर कचरा इकठठा किया जा रहा लोग कचरा दे यह समझानें के लिये घर घर घुम रहे अधिकारी फिर भी नही हो रहा असर लेकिन अब पकडे जा रहे सडक पर कचरा फेंकने वाले जिला कलेक्टर द्वारा सडक पर कचरा फेकने वालो पर कडी नजर एवं पहली बार ठोका जुर्बाना वार्ड भ्रमण पर निकली टीम ने वार्ड 37 में वसूला जूर्माना परिणाम स्वरूप 02 दिन मे बढे 150 कचरा देनें वाले। अधिकारियों के सांथ निकले लोग भी और कहा हम दिलाएंगे हर घर से कचरा। कलेक्टर डिप्टी कलेक्टर व नगर निगम आयुक्त द्वारा खुले में शौच नही पर समझाश पश्चात रखी जा रही कडी नजर कलेक्टर महोदय दवारा निर्देश दिये गये कि खुले में शौच करनें वालों की सुबह शाम करें निगरानी नही मानतें तो लगाये जुर्माना नेता प्रतिपक्ष के साथ वाक ए थान स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर में निकाली रैली हर वर्ग के लोग शामिल हुए। अब रात 10 बजे भी उठेगा ठेलों से कचरा निगम कर्मचारियो दवारा रात में 09-10 बजे होटल गुमटी सब्जी व्यवसायियों से कचरा संग्रहित किया जाएगा शहर के विभीन्न् वार्ड में कलेक्टर सफाई अमले के सांथ स्वयं आयुक्त के सांथ निरिक्षण हेतु निकले व शंकरघाट ईलाके मे पहुच कर खुले में शौच करने वालों को समझाईश दी।

नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर

सम्पर्क हेतु नंबर –

निदान 1100 –

सफाई, पानी, सड़क बत्ती, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, संबंधित शिकायत दर्ज करवाने संपर्क करे.

कार्यालय का पता – नगर पालिक निगम प्रशासनिक भवन, केदारपुर पानी टंकी

अम्बिकापुर (छ.ग.)